भारतसरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र ।

साल-25, क्रमांक :- 66/2017/शुक्र. समय अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 18-08-2017

बीते सप्ताह का मौसम (12 से 18 अगस्त, 2017)

सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल रहे। दिन का अधिकतम तापमान 33.6 से 36.2 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 33.5 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 25.1 से 27.5 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 26.4 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 85 से 94 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 57 से 76 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 5.9 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 6.3 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 9.1 कि.मी प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 5.3 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 4.4 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 6.0 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न तथा अपराह्न को हवा पश्चिम दिशाओं से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	19-08-17	20-08-17	21-08-17	22-08-17	23-08-17
वर्षा (मि.मी.)	7.0	5.0	2.0	3.0	5.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	34	35	35	35	34
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	28	27	27	26	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	6	5	4	6
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	80	80	75	75	80
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	50	50	45	45	50
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	11	07	11	14
हवा की दिशा	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व
साप्ताहिक संचयी वर्षा (मि.मी.)	22.0				
विशेष मौसम	दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों मे 19 अगस्त से 23 अगस्त को हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है.				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 23 अगस्त, 2017 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि, गाजर (उन्नत किस्म- पूसा वृष्टि) की बुवाई मेड़ो पर करें। बीज दर 4.0-6.0 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बुवाई से पूर्व बीज को केप्टान @ 2 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें तथा खेत तैयार करते समय खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।
2. सब्जियों में (टमाटर, मिर्च, बैंगन फूलगोभी व पत्तागोभी) फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी हेतू फिरोमोन प्रपंच @ 3-4/एकड़ लगाए तथा प्रकोप अधिक दिखाई दे तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
3. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि यदि टमाटर, मिर्च, बैंगन फूलगोभी व पत्तागोभी की पौध तैयार है तो मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें।
4. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि फूलगोभी की पूसा शरद, पूसा हाइब्रिड-2 पंत शुभ्रा (नवम्बर-दिसम्बर) की रोपाई हेतु पौध तैयार करना शुरु करें। खरीफ प्याज की तैयार पौध की रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें।

5. किसानों को सलाह है कि इस समय सरसों साग-पूसा साग-1, मूली-वर्षा की रानी, समर लोंग, लोंग चेतकी; पालक-आल ग्रीन तथा धनिया-पंत हरितमा या संकर किस्मों की बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें।
6. कद्दूवर्गीय सब्जियों को ऊपर चढाने की व्यवस्था करे ताकि वर्षा से सब्जियों की लताओं को गलने से बचाया जा सके।
7. मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। अधिक प्रकोप पाये जाने पर इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
8. भिंडी, मिर्च तथा बैंगन की फसल में माईट, जैसिड और होपर की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक माईट पाये जाने पर फासमाईट @ 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी तथा जैसिड और होपर कीट के रोकथाम के लिए रोगोर कीटनाशक @ 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी का छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
9. धान की फसल इस समय मुख्यत: वानस्पतिक वृद्वि की स्थिति में है अत: फसल में कीटों की निगरानी करें। तना छेदक कीट की निगरानी हेतू फिरोमोन प्रपंच @ 3-4 /एकड़ लगाए। यदि पत्त्ता मरोंड या तना छेदक कीट का प्रकोप अधिक हो तो करटाप दवाई 4% दानें या कार्बोफूरान 3% दानें 10 किलोग्राम/एकड़ का बुरकाव करें।
10. इस समय धान की फसल को नष्ट करने वाली ब्राउन प्लांट होपर का आक्रमण आरंभ हो सकता है अतः किसान भाई खेत के अंदर जाकर पौध के निचली भाग के स्थान पर मच्छरनुमा कीट का निरीक्षण करें। यदि प्रकोप दिखाई दें तो फेनोबुकार्ब 50 ई.सी. @ 1 मि. ली./ लीटर या बुप्रोफिजिन 25 ई.सी. @ 2 मि. ली./ लीटर या डी. डी. वी. पी. 76 ई.सी. @ 2 मि. ली./ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
11. मक्का में तना छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव के लिए ट्राईको-कार्ड @ 4/ एकड़ का उपयोग करें। यदि प्रकोप अधिक दिखाई दे तो कार्बोफुरान 3% दानें 8.0 किलोग्राम/एकड़ का बुरकाव करें।
12. मूंग, उडद में यदि सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप अधिक हो तो ट्राईजोफॉस 40 ई.सी. @ 1 मि.ली./लीटर में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
13. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि, कपास में रस चूसने वाले कीटों की नियमित निगरानी करें। बेधक कीटों से निगरानी के लिए फिरोमोन प्रपंच @ 3-4 /एकड़ का उपयोग कर सकते है तथा चूसक कीटों का प्रकोप अधिक हो तो ट्राईजोफॉस 40 ई.सी. @ 1 मि. ली./ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। बेधक कीटों का प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
14. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि, स्वीट कोर्न (माधुरी, विन ओरेंज) तथा बेबी कोर्न (एच एम-4) की बुवाई मेड़ों पर करें।
15. इस मौसम में किसानों को सलाह है कि अपनी फसलों व सब्जियों में निराई-गुडाई का कार्य करें ।
16. कीटों की रोकथाम के लिए प्रकाश प्रपंश (Light trap) का भी इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए एक प्लास्टिक के टब या किसी बड़े बरतन में पानी और थोडा मिट्टी का तेल या थोडा रोगोर मिलाकर एक बल्ब जलाकर रात में खेत के बीच में रखे दें। प्रकाश से कीट आकर्षित होकर उसी घोल पर गिरकर मर जायेंगें। इस प्रपंश से अनेक प्रकार के हानिकारक कीटों का नाश होगा।
17. फलों के नऐ बाग लगाने के लिए अच्छी गुणवत्ता के पौधों का प्रबन्ध करके इनकी रोपाई अतिशीघ्र करें।

कृषि सलाहकार एककदिल्ली तथा कृषिविभाग दिल्ली **वैज्ञानिक 'डी'**
द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

<u>ई -मेल</u> :

1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।
2. कृषिएवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न. 610 फैक्स न. 23710106 ।
3. कृषिदर्शन मण्डी हाऊस कमरा न. 801 फैक्स न. 23097571 ।